अध्याय पंचम

शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या का कथन

5.3 शोध के उद्देश्य

5.4 शोध परिकल्पनाएँ

5.5 शोध चर

5.6 शोध का परिसीमन

5.7 न्यादर्श

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण

5.9 प्रदत्तों का विश्लेषण

5.10 शोध के परिणाम

5.11 निष्कर्ष

5.12 शैक्षिक सुझाव

5.13 भविष्य के लिये शोध सुझाव

अध्याय – 5

शोध, सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

सारांश किसी भी अध्याय को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है। इसके द्वारा अध्याय को सरल रूप में समझा जा सकता है। इस अध्याय में लघु शोध का सारांश अध्याय – 4 में दिये गये प्रदत्तों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही अध्ययन के आगे संबंधित अध्ययन को विभिन्न क्षेत्रों में करने के लिए सुझाव।

5.2 समस्या का कथन

"उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन"

5.3 शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध कार्य के उद्देश्य निम्नप्रकार से थे :–

- ❖ उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का अनुमापन करना।
- ❖ उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अनुमापन करना।
- ❖ उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की व्यावसायिक रूचि का अनुमापन करना।
- ❖ उच्च माध्यमिक स्तर के छात्राओं की व्यावसायिक रूचि का अनुमापन करना।

- ❖ उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य तुलना करना।
- ❖ उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं की व्यावसायिक उपलब्धि के मध्य तुलना करना।

5.4 शोध परिकल्पनाएँ

प्रस्तुतशोध में निम्नवत् परिकल्पनाओं का निर्माण तथा परीक्षण किया गया था।

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यावसायिक उपलब्धि के मध्य सार्थ अंतर नहीं पाया जाएगा।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।
3. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं की व्यावसायिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।

5.5 शोध के चर

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित चर हैं :

1. स्वतंत्र चर – शैक्षिक उपलब्धि
2. आश्रित चर – व्यावसायिक उपलब्धि

5.6 शोध का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध महाराष्ट्र राज्य के अमरावती शहर तक सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध अमरावती शहर के शासकीय विद्यालय तक सीमित है।
3. प्रस्तुत अध्ययन उच्च–माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों तक सीमित है।
4. यह अध्ययन 150 विद्यार्थियों तक सीमित है जिसमें 76 छात्रों तथा 74 छात्राओं को सम्मिलित किया गया है।

5.7 न्यादर्श

प्रस्तुतशोध में महाराष्ट्र राज्य के अमरावती शहर में स्थित तीन उच्च माध्यमिक विद्यालय को न्यादर्श हेतु चयनित किया गया जिसमें 150 विद्यार्थियों को लिया गया।

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण

संबंधित अध्ययन के लिए प्रदत्तों के संकलन हेतु निम्न प्रकार के साधनों का प्रयोग किया गया :-

1. शैक्षिक उपलब्धि उपकरण

शैक्षिक उपलब्धि की गणना हेतु शोधकर्त्ता द्वारा निर्मित शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण प्रपत्र उपकरण का उपयोग किया गया।

2. व्यावसायिक रूचि उपकरण

विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि के मापन हेतु डॉ. एस.पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित व्यावसायिक रूचि प्रपत्र का उपकरण उपयोग में लाया गया।

5.9 प्रदत्तों का विश्लेषण

प्रस्तुतशोध कार्य हेतु प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए "t" टेस्ट तथा कार्लपीर्यसन के सहसंबंध गुणांक सांख्यिकी का उपयोग किया गया है।

5.10 शोध के मुख्य परिणाम

1. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अन्तर नहीं है।
2. उच्च माध्यमिक के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि के मध्य कोई अन्तर नहीं है।

3. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यावसायिक रूचि के मध्य सह संबंध है।

5.11 निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में छात्रों एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर नहीं पाया गया। इसी प्रकार व्यावसायिक रूचि के मध्य अंतर नहीं है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रचलित शैक्षिक प्रणाली में छात्र तथा छात्राओं को एक समान शैक्षिक सुविधा तथा विचार प्रणाली प्राप्त हो रही है जिससे विद्यार्थियों में व्यवसाय की ओर समान रूझान दिखाई दे रहा है। उसी प्रकार उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रूचि के मध्य सह संबंध है जिससे यह निष्कर्ष निकला है कि भिन्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों ने अपनी व्यावसायिक रूचि अलग-अलग क्षेत्रों में दिखाई हैं। शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थियों के व्यावसायिक चयन में कारक होती है।

5.12 शैक्षिक सुझाव

- विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति जागरूक बनाकर उनकी व्यावसायिक रूचियाँ विकसित करना चाहिए।
- विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि को देखकर विद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम लागू किया जाना चाहिए।
- विद्यार्थियों को व्यावसायिक क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों से तथा भावी व्यावसायिक क्षेत्रों से परिचित कराया जाना चाहिए।
- विद्यार्थियों में व्यावसायिक रूचि बढ़ाने के लिए पूर्व की कक्षाओं से ही कार्यानुभव एवं व्यावसायिक शिक्षा विद्यालयों से लागू की जानी चाहिए।

❖ विद्यार्थियों की व्यक्तिगत योग्यता के आधार पर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए।

❖ भविष्य में व्यवसाय चयन मार्गदर्शन हेतु विद्यालयों में एक कैरियर कार्नर की स्थापना की जाए एवं इसमें एक योग्य प्रशिक्षित कैरियर मास्टर को नियुक्त किया जाना चाहिए।

❖ विद्यार्थियों के व्यावसायिक मार्गदर्शन हेतु विद्यालय में पत्र–पत्रिकाओं की व्यवस्था होनी चाहिए।

5.13 भविष्य के लिए शोध सुझाव

1. "विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि बढ़ाने में विद्यालय की भूमिका एक अध्ययन"
2. "विद्यार्थियों की मानसिक योग्यता तथा व्यावसायिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन"
3. "विद्यार्थियों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का व्यावसायिक रूचि पर प्रभाव का अध्ययन"
4. "विकलांग विद्यार्थी तथा सामान्य विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि तथा मानसिक योग्यता का तुलनात्मक अध्ययन"
5. "माता–पिता के व्यावसाय का बालक एवं बालिकाओं की व्यावसायिक रूचि पर प्रभाव का अध्ययन"